the past three years under this programme?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) and (b) There is no Committee in the Ministry to monitor the implementation of the 15 Point Programme for the Welfare of the Minorties. Information about the number of persons who have been provided with employment during the past three years is being collected and shall be laid on the Table of the House.

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत विभाग द्वारा प्रारंभ की गई अनुसंधान परियोजनाएं

3496. **डा० बापू कालदातेः** क्या **विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत विभाग ने हाइड्रोजन ऊर्जा कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 25 अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) इस ऊर्जा का किन-किन क्षेत्रों में उपयोग किया जाएगा;

(घ) इस संबंध में कहां तक सफलता प्राप्त हुई है; और

(ङ) इसके ऊर्जा के रूप में कब तक उपयोग किए जाने की संभावना है?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) और (ख) जी हां। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत विभाग ने हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण, उपयोग पहलुओं को शामिल करते हुए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं प्रायोजित की हैं।

(ग) से (ड़) हाइड्रोजन एक सर्वतोमुखी ऊर्जा संवाहक है और इसे घरेलू औद्योगिक, परिवहन अनुप्रयोगों के साथ-साथ रॉकेटों और अन्तरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए फोटोबायोलोजिकल, फोटोइलेक्ट्रोकैमिकल और इलेक्ट्रोलिसिस प्रौद्योगिकियों से प्रयोगशाला स्तर पर महत्वपूर्ण परिमाण प्राप्त हुए हैं। हाइड्रोजन के भंडारण के लिए नई हाइड्राइड सामग्रियों का विकास किया गया और ऐसी सामग्रियों की भंडारण क्षमता में आगे और सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में एक दो पहिये वाली मोटर साईकिल को मेटल हाइड्रोइड भंडारण युक्ति के प्रयोग से 25 किलोमीटर तक परीक्षण के तौर पर चलाया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में कम अश्व शक्ति वाले इंजन में हाइड्रोजन भरकर उसे चलाने का परीक्षण किया गया है। इन प्रौद्योगिकियों और इनके आर्थिक व्यवहार्यता मे सुधार के लिए प्रयत्न किए जा रहे हैं जिनसे कि भविष्य में व्यापक परिणाम प्राप्त होने की आशा है।

DISCUSSION RE: DEMOLITION OF TEMPLES IN AYODHYA BY THE UTTAR PRADESH STATE AUTHORITIES IN DISREGARD TO HIGH COURT ORDERS

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Madam, you are aware that both the Houses of Parliament were rocked on what was going on in Ayodhya. Yesterday, we had heard four hours of debate on this issue because this is an issue which not only concerns the House, but the entire nation. My party had expressed very strong fellings on this issue yesterday and my entire party all over the country feels very strongly on it. (*Interruptions*) I had made a request to the Chairman as a Member of this House—and it is my right as a Member of this House for requesting and demanding—that the Question Hour be suspended on this very important national issue. I am very happy to note that it has been heard by the House. What is happening in Ayodhya is a very serious matter. (*Interruptions*) It is not just a question of one community. It is a question of Ram, Rahim, Krishna and all the different communities. We have to take all the communities with us and that is as per the Constitution of India. Yesterday, Mr. Sikandar Bakht very categorically stated that the UP Government has resolved that this place will be used for tourism development. A gross untruth has been told on the floor of this House because they are very much aware. And now the statement of the BJP is there which shows that it was an untruth. It has been verified by no less a person than the VHP Chief, Mr. Shinghal, who has said that the UP Government's permission amounts to building of the Ram Mandir. My party has said on many occasions that we have no objection...